विक्रम विश्वविद्यालय,उज्जैन

क्रमांक/अकादमिक/सम्बद्धता/2024/1019 दिनांक :-24-10-24

प्रति,

प्राचार्य,
समस्त शासकीय एवं अशासकीय शिक्षा महाविद्यालय,
विक्रम विश्वविद्यालय,परिक्षेत्र।

विषय :- शपथ पत्र प्रस्तुत करने के संबंध में।

महोदय/महोदया,

उपरोक्त विषयान्तर्गत विक्रम विश्वविद्यालय,उज्जैन से सम्बद्ध समस्त शासकीय एवं अशासकीय शिक्षा महाविद्यालयों को सूचित किया जाता है कि, NCTE के निर्देशानुसार ANNEXURE-IV प्रोफार्मा में महाविद्यालयों द्वारा NCTE को प्रस्तुत किये जाने वाले PAR हेतु प्रथमतः तत्संबंध में रू. 100/- के स्टाम्प पर शपथ पत्र प्रस्तुत करें, तत्पश्चात ही सम्बद्धता संबंधी प्रमाणीकरण किया जा सकेगा। NCTE मान्यता एवं विश्वविद्यालय से प्राप्त सम्बद्धता/निरंतरता प्रमाण-पत्र भी शपथ पत्र के साथ संलग्न किये जावे।

आदेशानुसार

संलग्न :- शपथ पत्र का प्रारूप

उपकुलसचिव(अकादमिक)

क्रमांक/अकादमिक/सम्बद्धता/2024/1020 दिनांक :-24-10-24

प्रतिलिपि :-

01. माननीय कुलगुरूजी/कुलसचिवजी के निज सहायक, विक्रम विश्वविद्यालय,उज्जैन।
की ओर सूचनार्थ प्रेषित।

उपकुलसचिव(अकादमिक)

Scanned with CamScanner

शपथ पत्र

मैं .....पति/पिता.....उम्र.....वर्ष निवासी. .....शपथ पूर्वक कथन करता/करती हूँ कि :-

01. मैं शपथ गृहीता अशासकीय महाविद्यालय/समिति .....में प्राचार्य/सचिव के पद पर कार्यरत हूँ, हमारे महाविद्यालय को .....पाठ्यक्रम हेतु NCTE की प्रथम मान्यता सत्र ..... में पत्र क्रं.....दिनांक..... एवं विश्वविद्यालय की प्रथम सम्बद्धता सत्र.....में पत्र क्रमांक.....दिनांक..... द्वारा प्रदान की गई थी तथा वर्तमान में पत्र क्रमांक.....दिनांक.....द्वारा सत्र 2024-25 तक महाविद्यालयकी सम्बद्धता निरंतर है।

02. मैं शपथ गृहीता शपथ पूर्वक कथन करता/करती हूँ कि .....को NCTE PAR Online आवेदन भरना है जिसमें नियमानुसार NCTE द्वारा निर्धारित ANNEXURE-IV में सम्बद्धता प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किया जाना है।

03. मैं शपथ गृहीता शपथ पूर्वक कथन करता/करती हूँ कि NCTE द्वारा जारी संशोधित विनियम 2014 एवं समय समय पर जारी दिशा निर्देश एवं मानदण्डों का महाविद्यालय द्वारा पूर्ण रूप से पालन किया जा रहा है तथा महाविद्यालय में संचालित .....पाठ्यक्रम सफलता पूर्वक संचालित हो रहे है।

दिनांक :
स्थान :

हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा
प्राचार्य/सचिव

-:: सत्यापन ::-

मैं शपथगृहीता शपथपूर्वक सत्य कथन करता/करती हूँ कि, शपथ पत्र की पद संख्या 01 से लगायत 03 तक में लिपिबद्ध कथन पूर्णतः सत्य है, इसमें असत्य कथन कुछ नहीं लिखया गया है और न ही किसी कथन को छुपाया गया है। यदि भविष्य में कोई जानकारी गलत पाई जाती है तो, इसके लिये महाविद्यालय/समिति स्वयं जिम्मेदार होंगा।

दिनांक :
स्थान :

हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा
प्राचार्य/सचिव

Scanned with CamScanner